व्यापार की योजना

<u>आय सृजन गतिविधि: बैग बनाना</u>

द्वारा

स्वयं सहायता समूह- जय मां संतोषी

वीएफडीएस का नाम	धार पनियाली
पर्वत श्रृंखला का नाम	नगरोटा सुरियाँ
विभाग का नाम	वन विभाग, देहरा
वृत्त का नाम	हमीरपुर
स्वयं समूह का नाम	माँ-संतोषी स्वयं सहायता समूह

के अंतर्गत तैयार किया गया-

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका में सुधार के लिए परियोजना (जाईका समर्थित)

विषय-सूची

क्रमांक	विवरण	पृष्ठ संख्या
1.	चय	3
2.	एसएचजी/सीआईजी का विवरण	4
3.	लाभार्थियों का विवरण	5
4.	गाँव का भौगोलिक विवरण	6
5.	बाजार क्षमता-	6
6.	कार्यकारी सारांश-	7
7.	आय से संबंधित उत्पाद का विवरण गतिविधि उत्पन्न करना-	7
8.	उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण-	7
9.	उत्पादन नियोजन का विवरण-	8
10.	सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण	8
11.	स्वोट अनालिसिस	8-9
12.	अर्थशास्त्र का विवरण	9-10
13.	लागत-लाभ विश्लेषण (मासिक)	10-11
14.	स्वयं सहायता समूहों में निधि प्रवाह की व्यवस्था	11
15.	निधि के स्रोत	12
16.	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	13
17.	ब्रेक-ईवन बिंदु की गणना	13
18.	बैंक ऋण का पुनर्भुगतान	14
19.	निगरानी विधि	14
20.	टिप्पणी	14
21.	समूह फोटो	15
22.	संकल्प-सह समूह सहमति प्रपत्र	15
23.	VFDS और DMU द्वारा व्यवसाय की स्वीकृति	16

1. परिचय -

माँ संतोषी स्वयं सहायता समूह (SHG) द्वारा बैग निर्माण को आय सृजन का एक साधन चुना गया है। यह एक लोकप्रिय व्यवसाय है, जिसके अंतर्गत स्कूल बैग, ट्रैवल बैग, कैरी बैग, स्लिंग बैग, लैपटॉप बैग आदि विभिन्न प्रकार के बैग बनाए जाते हैं। इन बैगों का निर्माण विभिन्न प्रकार की सामग्रियों को सिलाई कर किया जाता है। बैगों की मांग पूरे वर्ष बनी रहती है तथा इनका उपयोग सभी आयु वर्ग के लोग करते हैं।

विभिन्न आयु वर्ग की 10 महिलाओं ने मिलकर माँ संतोषी स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) का गठन किया है। हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना के अंतर्गत 9 सितम्बर, 2022 को समूह की महिलाओं ने एक व्यवसाय योजना तैयार करने का निर्णय लिया, जिससे वे सामूहिक रूप से बैग निर्माण को अपनी आय सृजन गतिविधि (आईजीए) के रूप में अपनाकर अपनी आय में वृद्धि कर सकें।

इस आय सृजन गतिविधि को अपनाने से पूर्व समूह की महिलाओं ने बाजार की संभावनाओं तथा व्यवसाय से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। इसके पश्चात समूह ने सर्वसम्मति से बैग निर्माण को अपनी आय सृजन गतिविधि के रूप में चुना। परियोजना के सहयोग से समूह की 10 महिलाएं उच्च गुणवत्ता वाले विभिन्न प्रकार के बैगों का निर्माण करेंगी। परियोजना के अंतर्गत उन्हें आवश्यक प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन, वित्तीय सहायता तथा विपणन संबंधी सहयोग प्रदान किया जाएगा।

यह गतिविधि समूह की महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराएगी तथा उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनने में सहायता प्रदान करेगी। इस परियोजना के लिए विस्तृत व्यवसाय योजना, निवेश आवश्यकता, उत्पादन प्रक्रिया तथा विपणन एवं प्रसार रणनीति तैयार की गई है, जिसके आधार पर समूह अपनी गतिविधियों का सफलतापूर्वक संचालन करेगा।

2. एसएचजी/सीआईजी का विवरण

1.	एसएचजी/सीआईजी नाम	माँ संतोषी
2.	वीएफडीएस	धार पनियाली
3.	श्रेणी	नगरोटा सुरियाँ
4.	विभाजन	देहरा
5.	गाँव	धार पनियाली
6.	वन मंडल	देहरा
7.	ज़िला	कांगड़ा
8.	स्वयं सहायता समूह में सदस्यों की कुल संख्या	10
9.	गठन की तिथि	08/09/2022
10.	बैंक खाता संख्या और IFSC कोड	0686000105189563 और PUNB0068600
11।	बैंक विवरण	PNB हरिपुर
12.	स्वयं सहायता समूह/सीआईजी मासिक बचत	1000/-
13.	एक माह में कुल बचत	12600 रुपये
14.	कुल अंतर्ऋण	2000 रुपये
15.	नकद ऋण सीमा	-
16.	भुगतान की स्थिति	1%

3. लाभार्थियों का विवरण

क्रमांक	नाम	पुरुष/महिला	पिता/पति का नाम	योग्यता	पद का नाम	संपर्क नंबर
1	ज्योति	महिला	डिंपल कुमार की पत्नी	12वां	अध्यक्ष	8847659280
2	मीना कुमारी	महिला	अनुराग की पत्नी	एमए	सचिव	8580728980
3	अंचल कुमारी	महिला	भरत बुशन की पत्नी	10वां	सदस्य	9876136598
4	रविता कुमारी	महिला	प्रदीप कुमार की पत्नी	10वां	सदस्य	9815469121
5	सालोचना देवी	महिला	बहादुर सिंह की पत्नी	12वां	सदस्य	9805591216
6	रंजना देवी	महिला	ओम प्रकाश की पत्नी	12वां	सदस्य	9816810293
7	मीना कुमारी	महिला	कमल सिंह की पत्नी	12वां	सदस्य	8629087991
8	मनु बाला	महिला	जसवंत सिंह की पत्नी	बिस्तर	सदस्य	9816663564
9	नेहा चौधरी	महिला	कपिल देव की पत्नी	12वां	सदस्य	8580938817
10	सिमिता रानी	महिला	सुदेश कुमार की पत्नी	8वां	सदस्य	8091464519

4. गाँव का भौगोलिक विवरण

1	जिला मुख्यालय से दूरी	51 किमी
2	मुख्य सड़क से दूरी	1 किमी
3	स्थानीय बाजार का नाम और दूरी	हरिपुर और 5 किमी
4	मुख्य बाजार का नाम और दूरी	हरिपुर और 5 किमी
5	प्रमुख शहरों के नाम और दूरी	कांगड़ा, देहरा और 32.23 किमी
6	उन मुख्य शहरों के नाम जहां उत्पाद बेचा/विपणन किया जाएगा	कांगरा, देहरा, नगरोटा, सूरिया

5. बाजार क्षमता

बैग बनाने का हुनर सीखने के बाद, यह मां संतोषी स्वयं सहायता समूह अपने क्षेत्र और आसपास के गांवों की स्थानीय आबादी को लक्षित करेगा। फैशन में तेजी से हो रहे बदलाव और वृद्धि के साथ, इस क्षेत्र में अपार बाजार संभावनाएं हैं और नवीनतम डिजाइन के बैग की मांग पूरे साल बनी रहेगी।

1	**संभावित बाज़ार स्थान/स्थान**	**बरियाल गांव**
2	उत्पाद की मांग	पूरे साल भर और मार्च में जब स्कूल दोबारा खुलते हैं तो इनकी मांग बहुत अधिक होती है।
3	बाजार के पहचान की प्रक्रिया	समूह के सदस्य आस-पास के ग्रामीणों/परिवारों/संस्थानों से संपर्क करेंगे।
4	विपणन रणनीति	स्वयं सहायता समूह के सदस्य आस-पास के ग्रामीणों/परिवारों/दुकानदारों/संस्थानों से सीधे (समूह स्तर पर) ऑर्डर लेंगे।
5	उत्पाद ब्रांडिंग	माँ संतोषी
6	उत्पाद "नारा"	" माँ संतोषी-सर्वोत्तम गुणवत्ता"

6. कार्यकारी सारांश-

इस स्वयं सहायता समूह ने बैग बनाने को आय सृजन गतिविधि के रूप में चुना है। यह गतिविधि समूह की सभी महिलाओं द्वारा मिलकर की जाएगी। समूह की सदस्य इस व्यवसाय को प्रतिवर्ष करेंगी। आस-पास के बाज़ार में स्कूल बैग, हैंडबैग, ट्रैवल बैग और कैरी बैग की काफी मांग है। कई बैठकों के बाद, समूह ने अंततः यह निर्णय लिया है कि आस-पास के बाज़ारों में बैगों की मांग को देखते हुए, यह गतिविधि निश्चित रूप से समूह के लिए आय अर्जित करने का एक अच्छा साधन होगी। सदस्यों के बीच श्रम विभाजन की सावधानीपूर्वक योजना बनाई गई है ताकि प्रत्येक सदस्य इस गतिविधि को मजबूत करने में योगदान दे और उनकी जेब में अतिरिक्त आय आए।

7. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण-

1	उत्पाद का नाम	स्कूल बैग, हैंड बैग, ट्रैवल बैग और कैरी बैग
2	उत्पाद की पहचान करने की विधि	कई बैठकों के बाद समूह के सदस्यों द्वारा यह निर्णय लिया गया है।
3	स्वयं सहायता समूह/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	हाँ

8. उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण –

समूह में कुल 10 महिला सदस्य हैं। समूह के लगभग सभी सदस्य प्रतिदिन केवल कुछ घंटे ही काम करेंगे क्योंकि उनके पास कृषि और घरेलू काम भी हैं। वे सप्ताह में 6 दिन काम करेंगे। अतः, हम कह सकते हैं कि समूह के सदस्य प्रति माह 1000 घंटे काम करेंगे। यह समूह शुरू में प्रतिदिन 20 से 40 बैग बनाएगा, बाद में अनुभव के साथ वे प्रति माह संख्या बढ़ा सकते हैं।

यह समूह लगभग 875 बैग्स बनाएगा। अनुमान/अनुभव के आधार पर, प्रत्येक बैग का निर्माण मैटी कपड़े, पैड, लॉक, स्टिकर, वायर कवरिंग, निवार आदि जैसी सामग्रियों का उपयोग करके किया जाएगा; जिसकी लागत बैग के प्रकार और आकार पर निर्भर करेगी। कच्चे माल की लागत 80 रुपये से 300 रुपये के बीच मानी जा सकती है।

एक सदस्य के एक माह में कुल कार्य घंटे (माह में कुल कार्य दिवस 25 होंगे और प्रति दिन 4 घंटे) 100 घंटे (25 दिन × 4 घंटे) होंगे। इस प्रकार, स्वयं सहायता समूह के कुल सदस्यों में से 10 सदस्यों के एक माह में कार्य घंटे 1000 घंटे (25 दिन) होंगे। पूरे समूह के लिए एक माह में कुल श्रम दिवस 25 दिन (1000 ÷ 8) होंगे। श्रम लागत 43750 रुपये (125 × 350) होगी।

9. उत्पादन नियोजन का विवरण-

1	प्रति चक्र (माह) उत्पादन	1 महीना = 875 बैग
2	शामिल महिलाओं की संख्या	सभी महिलाएं (स्वयं समूह की सदस्यों द्वारा तय किए गए अनुसार प्रति माह रोटेशन के आधार पर)
3	कच्चे माल का स्रोत	स्थानीय बाजार/मुख्य बाजार
4	अन्य संसाधनों का स्रोत	स्थानीय बाजार/मुख्य बाजार
5	प्रति दिन अपेक्षित बैग उत्पादन	प्रतिदिन 20-40 बैग

10. सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से स्वयं सहायता समूह के सदस्य कार्य को पूरा करने में अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। कार्य का विभाजन सदस्यों की मानसिक और शारीरिक क्षमताओं के अनुसार किया जाएगा।

- समूह के कुछ सदस्य उत्पादन-पूर्व प्रक्रिया (अर्थात कच्चे माल की खरीद) में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और मार्केटिंग में शामिल होंगे।

11. स्वोट अनालिसिस

❖ **ताकत-**

- ✧
- ✧ कच्चा माल आसानी से उपलब्ध है।
- ✧ निर्माण प्रक्रिया सरल है।
- ✧ उचित पैकिंग और परिवहन में आसान।
- ✧ इस उत्पाद की शेल्फ लाइफ लंबी है।

* **कमजोरी**

- ✧ समूह के पास कच्चे माल में निवेश करने और उत्पाद की बिक्री की प्रतीक्षा करने के लिए आरक्षित निधि की कमी है।
- ✧ समूह के सदस्यों में व्यवसाय की सफलता को लेकर आत्मविश्वास की कमी।
- ✧ स्थानीय व्यापारियों द्वारा वर्तमान में आयात किए जा रहे कारखाने में बने थैलों से कड़ी प्रतिस्पर्धा है।

❖ **अवसर-**

- ✧ इस उत्पाद की लागत अन्य समान श्रेणी के उत्पादों की तुलना में कम होने के कारण लाभ के अच्छे अवसर मौजूद हैं।
- ✧ बड़े पैमाने पर उत्पादन के साथ विस्तार के अवसर मौजूद हैं।
- ✧ साल भर इसकी मांग रहती है।

❖ **खतरे/जोखिम –**

- ✧ समूह के सदस्यों के बीच संघर्ष का खतरा।
- ✧ कच्चे माल की कीमतों में अचानक वृद्धि।
- ✧ प्रतिस्पर्धी बाजार।

12. अर्थशास्त्र का विवरण-

ए. पूंजी लागत				
क्रमांक	**विवरण**	**मात्रा**	**यूनिट मूल्य**	**राशि (रु.)**
1	मोटर और स्टैंड सहित बैग बनाने की मशीन	08	9000/-	72000/-
2	साधारण स्टैंड के साथ बैग बनाने की मशीन	01	6500/-	6500/-
3	सिम्पल मशीन	01	5000/-	5000/-
4	कैंची	10	400/-	4000/-
5	अलमारी	08	15000/-	120000/-
7	कुर्सी /स्टूल	10	800/-	8000/-
8	प्रेस	05	800/-	4000/-
9	परिवहन	रास	1500/-	1500/-
10	अन्य सामग्री (कच्चा माल, बैग लॉक बटन,	रास	3000/-	3000/-
कुल पूंजी लागत (ए) = 224000 रुपये				

बी. आवर्ती लागत					
क्रंसं	**विवरण**	**इकाई**	**मात्रा**	**यूनिट मूल्य**	**कुल राशि (रु.)**
1	मैटी कपड़ा	मीटर	442 मीटर	120	53040
2	पैराशूट फैब्रिक कपड़ा	मीटर	208 मीटर	80	16640
3	जूट का कपड़ा	मीटर	182 मीटर	100	18200
4	बैग स्टिकर	-	2100	3	6300
5	कुंडे/लॉक/बटन	किलोग्राम	3	1800	5400

6	हॉल का किराया और स्टेशनरी के खर्च	Rs	1	3000	3000
7	फोम और प्लेन प्रिंटेड लाइनिंग फैब्रिक	मीटर.	416	110	45760
8	धागा रील 6, 8, 10	नंबर	260	60	15600
9	मशीन सुई 21, 23 नंबर	-	260	10	2600
10	मार्कर और माप टेप	-	-	-	1000
11	रनर 5 और 8 नंबर	दर्जन	104	45	4680
12	तनी बैग	किलोग्राम	650	8	5200
13	तनी बैग	किलोग्राम	650	6	3900
14	चेन 5 नंबर	मीटर	520	6	3120
15	चेन 8 नंबर	मीटर	468	10	4680
16	श्रम कार्य स्वयं सहायता समूह के सदस्यों द्वारा किया जाएगा -				
कुल आवर्ती लागत (बी) = 189120/-					

सी. उत्पादन लागत (मासिक)		
क्रमांक	**विवरण**	**मात्रा**
1	कुल आवर्ती लागत	189120
2	पूंजी लागत पर वार्षिक 10% मूल्यह्रास	22400
कुल योग = 211520/-		

डी. विक्रय मूल्य की गणना			
क्रमांक	**विवरण**	**इकाई**	**मात्रा**
1	उत्पादन लागत (कैरी बैग)	1	लगभग 20,60,100,130,400 रुपये
2	स्कूल/लड़कियों के कॉलेज बैग का संभावित विक्रय मूल्य	1	लगभग 40-80-120-300-400
3	वर्तमान बाजार मूल्य (ट्रैवलिंग बैग)	1	100-150-250-400-500

13. लागत-लाभ विश्लेषण (मासिक)

लागत-लाभ विश्लेषण (मासिक)		
क्रमांक	**विवरण**	**मात्रा**
1	पूंजी लागत पर वार्षिक 10% मूल्यह्रास	22400/-
2	कुल आवर्ती लागत	189120/-
3	प्रति माह बैग का कुल उत्पादन	875 (लगभग आकार 100, 80, 60)
4	प्रति बैग का विक्रय मूल्य	40 से 400
5	आय पीढ़ी	306250/-
6	शुद्ध लाभ (आय सृजन - आवर्ती लागत)	117130/-
7	सकल लाभ (शुद्ध लाभ - श्रम लागत)	73380/-
8	शुद्ध लाभ का वितरण	✓ लाभ का वितरण सदस्यों के बीच मासिक/वार्षिक आधार पर समान रूप से किया जाएगा। ✓ लाभ का उपयोग आईजीए में आगे निवेश करने के लिए किया जाएगा।

14. स्वयं सहायता समूहों में निधि प्रवाह की व्यवस्था -

क्रमांक	**विवरण**	**कुल राशि (रु.)**	**परियोजना में योगदान 75%**	**स्वयं सहायता समूह का योगदान 25%**
1.	कुल पूंजी लागत	224000 रुपये/-	168000 रुपये/-	56000 रुपये/-
2.	कुल आवर्ती लागत	189120 रुपये/-	0	189120 रुपये/-
3.	प्रशिक्षण/क्षमता भवन निर्माण/कौशल उन्नयन।	60,000 रुपये/-	60,000 रुपये/-	0
कुल		**473120 रुपये/-**	**228000 रुपये/-**	**245120 रुपये/-**

टिप्पणी: -

i) पूंजी लागत- 75% पूंजी लागत परियोजना द्वारा और 25% स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी।
ii) आवर्ती लागत- स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी।
iii) प्रशिक्षण और क्षमता - निर्माण/कौशल उन्नयन का खर्च परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा।

15. <u>निधि के स्रोत-</u>

परियोजना सहायता	• पूंजी लागत का 75% परियोजना द्वारा मिलेगा • स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) बैंक में 1 लाख रुपये तक की राशि खाते में जमा की जाएगी। (जैसा परिक्रमी निधि)	मशीन की खरीद /उपकरणों की स्थापना संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा सभी निर्धारित नियमों का पालन करने के बाद की जाएगी।
	• प्रशिक्षण/क्षमता भवन/कौशल उन्नयन खर्च का वहन इसके परियोजना के द्वारा किया जाएगा।	
	• यदि स्वयं सहायता समूह ऋण लेता है बैंक से 5% की सब्सिडी ब्याज दर जमा की जाएगी सीधे बैंक/वित्तीय संस्थान को डीएमयू द्वारा स्थापित संस्था और यह सुविधा केवल तीन लोगों के लिए होगी। स्वयं सहायता समूहों को भुगतान करना होगा। मूलधन की किश्ते नियमित आधार पर राशि का भुगतान।	
स्वयं सहायता समूह योगदान	• पूंजी लागत का 25% स्वयं सहायता समूहों द्वारा वहन किया जाएगा • आवर्ती लागत स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया गया	

16. प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन-

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन का खर्च परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा।

प्रस्तावित/आवश्यक कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन कार्यक्रम निम्नलिखित हैं:

- ✧ कच्चे माल की लागत प्रभावी खरीद
- ✧ गुणवत्ता नियंत्रण
- ✧ पैकेजिंग और विपणन
- ✧ वित्तीय प्रबंधन

17. ब्रेक-ईवन बिंदु की गणना

= पूंजीगत व्यय / [विक्रय मूल्य (प्रति बैग) - उत्पादन लागत (प्रति बैग)]

= 224000 / (350-875) = 427 बैग

इस प्रक्रिया में 427 बैग बनाने के बाद ब्रेक-ईवन हासिल हो जाएगा।

18. बैंक ऋण का पुनर्भुगतान-

यदि ऋण बैंक से लिया जाता है, तो यह नकद क्रेडिट सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए कोई पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और पुनर्भुगतान रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।

- सीसीएल योजना के तहत, स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) के बकाया मूल ऋण का पूरा भुगतान बैंकों को एक बार में करना अनिवार्य है।वर्ष। ब्याज की राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- सावधि ऋणों में, बैंकों द्वारा निर्धारित पुनर्भुगतान अनुसूची के अनुसार भुगतान करना आवश्यक है।
- परियोजना सहायता - 5% ब्याज दर की सब्सिडी डीएमयू द्वारा सीधे बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी और यह सुविधा केवल तीन वर्षों के लिए होगी। स्वयं सहायता समूह/सीआईजी को मूलधन की किश्तें नियमित रूप से चुकानी होंगी।

19. निगरानी विधि-

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखापरीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और यदि आवश्यक हो तो इकाई के संचालन को अनुमान के अनुसार सुनिश्चित करने के लिए सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- स्वयं सहायता समूहों को प्रत्येक सदस्य के अंतर्राष्ट्रीय विकास संगठन (आईजीए) की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और यदि आवश्यक हो, तो इकाई के संचालन को अनुमान के अनुसार सुनिश्चित करने के लिए सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

निगरानी के कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:

- समूह का आकार
- निधि प्रबंधन
- निवेश
- आय पीढ़ी
- उत्पादन स्तर
- उत्पाद की गुणवत्ता
- बेचा गया सामान
- बाजार तक की पहुंच

20. टिप्पणी

समूह की सभी महिलाये सामान्य वर्ग से हैं । 25% योगदान लाभार्थियों को होगा । तथा शेष 75% परियोजना की तरफ से प्रदान किया जाएगा ।

समूह सदस्यों की तस्वीरें: -

द्वारा तैयार:-

मदन लाल शर्मा (सेवानिवृत्त एचपीएफएस)
दीक्षा देवी (एसएमएस जाईका)
कनू गुलेरिया (FTU नगरोटा सुरियाँ रेंज)

व्यवसाय योजना को वीएफडीएस और डीएमयू द्वारा अनुमोदित किया गया

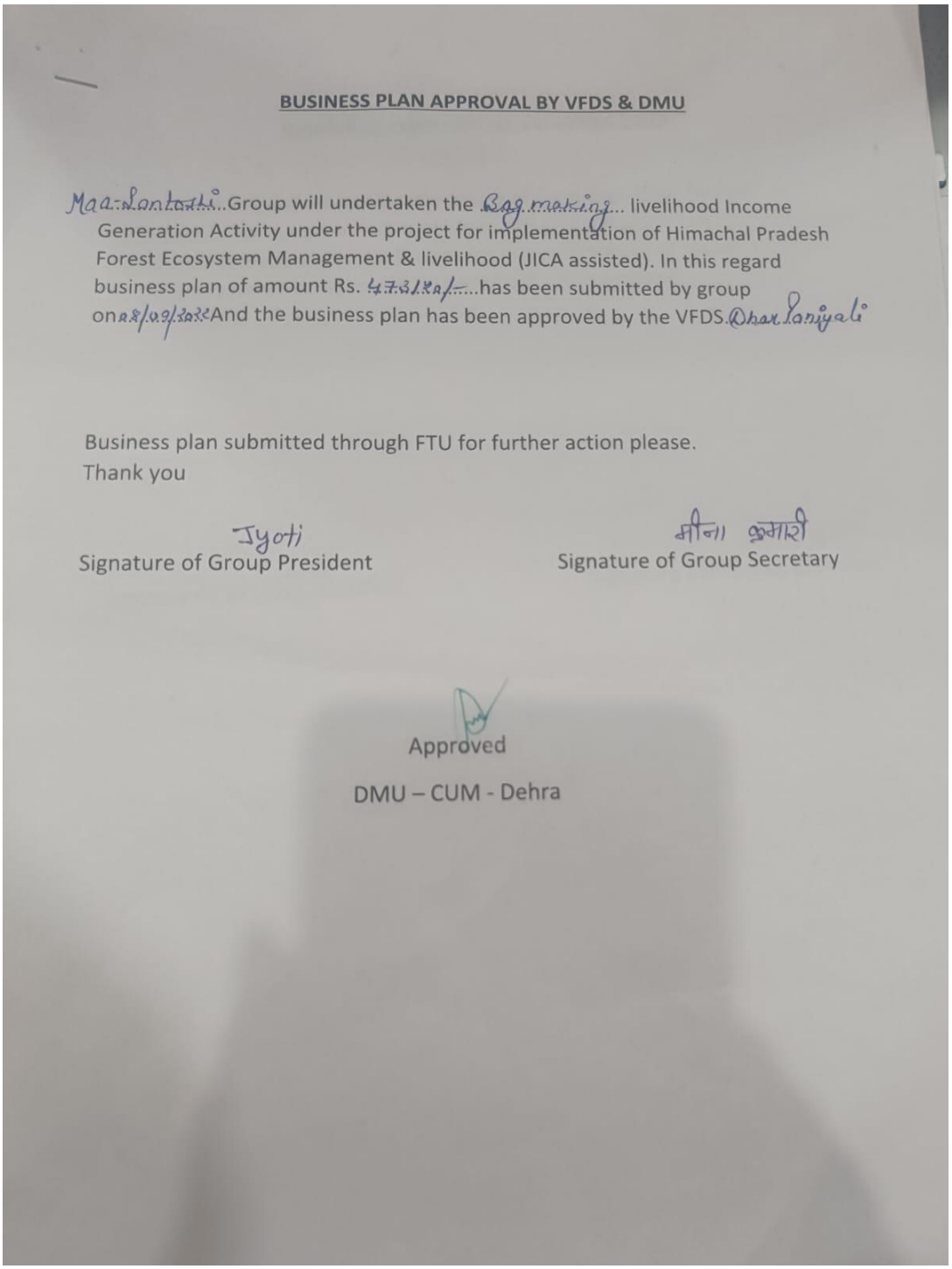

BUSINESS PLAN APPROVAL BY VFDS & DMU

Maa Santoshi..Group will undertaken the ..Bag making... livelihood Income Generation Activity under the project for implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem Management & livelihood (JICA assisted). In this regard business plan of amount Rs. 473122/-.....has been submitted by group on 28/09/2022 And the business plan has been approved by the VFDS. Dhar Saniyali

Business plan submitted through FTU for further action please.

Thank you

Jyoti
Signature of Group President

मीना कुमारी
Signature of Group Secretary

Approved

DMU – CUM - Dehra

संकल्प

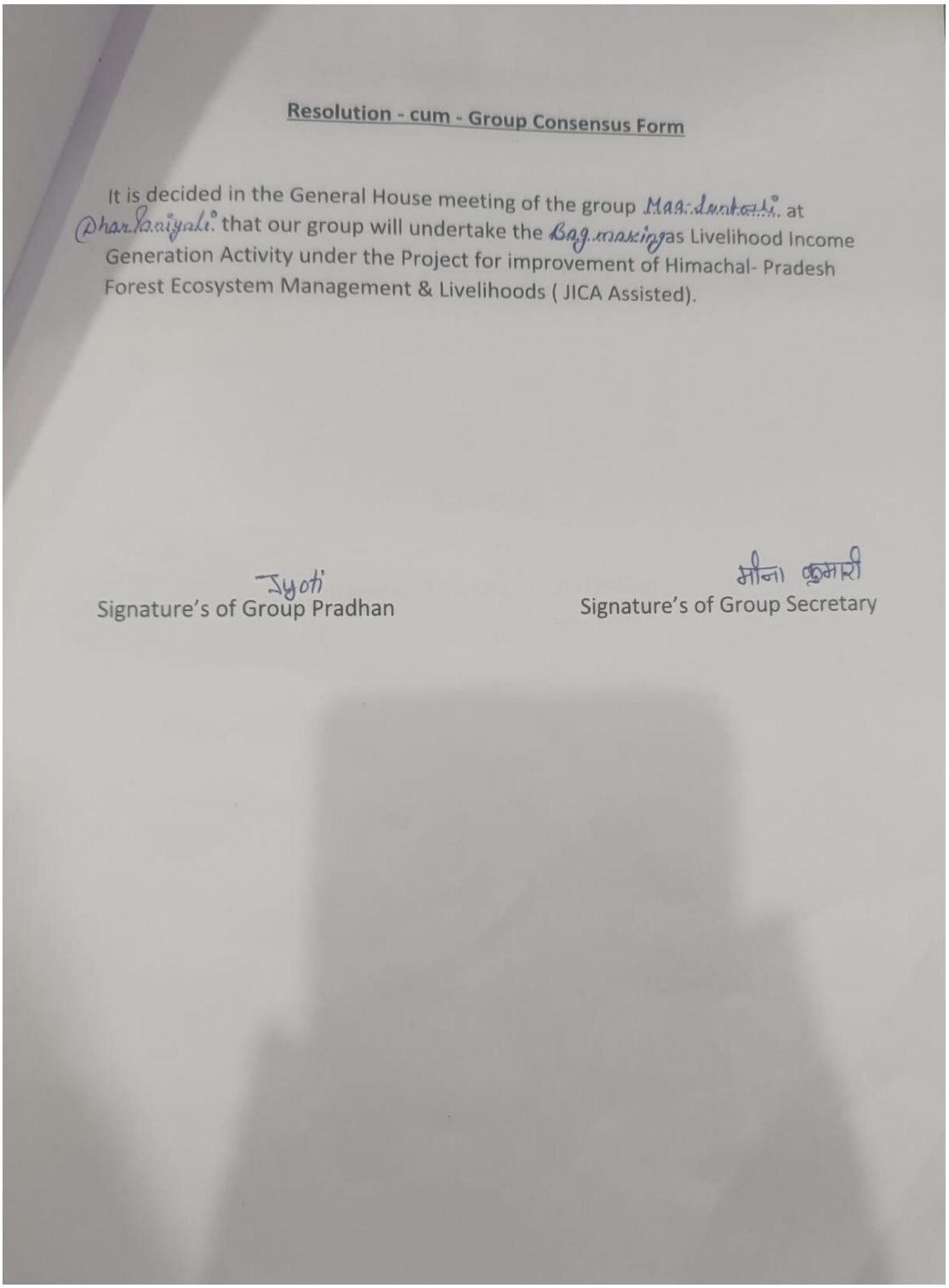

Resolution - cum - Group Consensus Form

It is decided in the General House meeting of the group Maa Duntari at Dhar Kaniyali that our group will undertake the Bag making as Livelihood Income Generation Activity under the Project for improvement of Himachal- Pradesh Forest Ecosystem Management & Livelihoods (JICA Assisted).

Jyoti
Signature's of Group Pradhan

मीना कुमारी
Signature's of Group Secretary

एफटीयू के माध्यम से प्रस्तुत किया गया

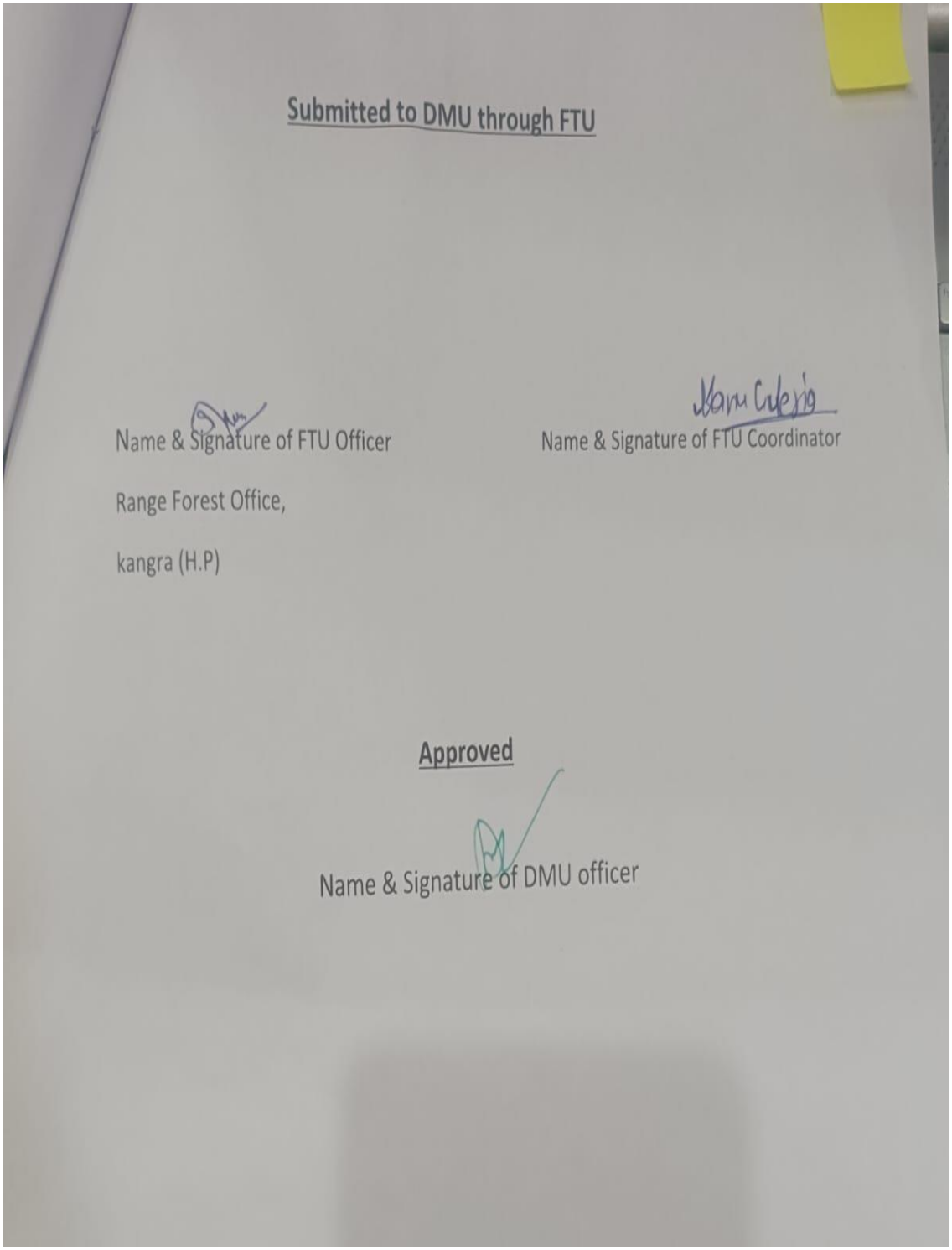

Submitted to DMU through FTU

Name & Signature of FTU Officer

Range Forest Office,

kangra (H.P)

Name & Signature of FTU Coordinator

Approved

Name & Signature of DMU officer